परियोजना जनपद कन्नौज में विश्वबैंक टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण सितम्बर 2015

6 | दैनिक जागरण कानपुर, 17 सितंबर 2015

कन्नौज जागरण

विदेशों के ऊसर में होगा लेमनग्रास उगाने का प्रयोग

- उमर्दा में जीवन शक्ति परियोजना से कराई जा रही खेती
- विश्वबैंक की टीम ने देखी लेमनग्रास की खेती

ग्रामीणों को संबोधित करते विश्व बैंक के अधिकारी। जागरण

कन्नौज, जागरण संवाददाता : जिले में ऊसर सुधार के साथ आर्थिक फसल लेमनग्रास क खेती का सफल प्रयोग किया गया। इस प्रयोग को देखने के लिए विश्वबैंक की पांच सदस्यीय टीम आई। टीम ने ऊसर जमीन में लहलहा रही खेती को देख कहा कि यह खेती किसानों के लिए काफी लाभदायक होगी। इस प्रयोग को अन्य देशों की भी ऊसर की जमीन पर किया जाएगा।

बुधवार को विश्वबैंक के वरिष्ठ ग्रामीण विशेषज्ञ कूनर दावा, वायर सायखान, पीएस सिंह, एन स्वामीनाथन, अरिवंद नामा की टीम ने उमर्दा विकास खंड में यूपी सोडिक लैंड रिक्लेमेशन परियोजना के तहत चयनित गांव बथुइया में कराई जा रही करीब 23 एकड़ में लेमनग्रास की खेती का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम लीडर वायर सायखान ने कहा कि ऊसर विकास के साथ व्यवसायिक खेती के रूप में लेमनग्रास का सफल प्रयोग किया गया है। इस प्रयोग को विश्वबैंक के जरिए अन्य देशों में भी किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के किसानों से भी पूछताछ की। इस दौरान किसानों ने बताया कि ऊसर सुधार के बाद धान की खेती की जाती थी। धान में अधिक पानी की आवश्यकता होती है।

सिंचाई की अधिक सुविधा न होने के कारण वह असफल हो जाते थे। बाद में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा के प्रयासों से लेमनग्रास की खेती कराई गई। इस खेती में पानी की कम आवश्यकता होती है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी उदयराज यादव ने बताया कि जीवन शक्ति परियोजना के माध्यम से 80 गांवों में करीब 500 एकड़ जमीन पर लेमनग्रास की फसल उगाई जा रही है। इस दौरान इनर्जी मिशन के प्रदेश समन्वयक पीएस ओझा भी मौजूद रहे।